लापरवाही

बिना पानी की बूंद मिले पंचायत को मिला 1.31 लाख का बिजली बिल, नदी की झिरिया से प्यास बुझाने को मजबूर ग्रामीण

नलजल योजना साबित हो रही सफेद हाथी

देवहारा/मंडला। जिले के विकासखंड घुघरी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देवहारा में सरकार की महत्वाकांक्षी नलजल योजना भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। करीब एक हजार की जनसंख्या और 400 घरों वाले इस गांव में पिछले छह वर्षों से नलजल योजना का कार्य चल रहा है, लेकिन आज दिनांक तक ग्रामीणों को इस योजना से पानी की एक बूंद भी नसीब नहीं हुई है। विडंबना यह है कि ग्रामीणों के घरों तक पानी पहुँचने से पहले ही बिजली विभाग ने पंचायत को लाखों रुपये का बिल थमा दिया है।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में नलजल योजना के तहत पानी टंकी का निर्माण तो किया गया, लेकिन निर्माण कार्य की गुणवत्ता इतनी खराब थी कि शुरुआती दौर में ही टंकी से रिसाव होने लगा। हालांकि बाद में इसकी मरम्मत की गई, लेकिन मरम्मत के बाद आज तक टंकी में पानी नहीं भरा गया है। ठेकेदार की लापरवाही यहीं नहीं रुकी, पाइपलाइन बिछाने के नाम पर मुख्य मार्ग से देवहारा तक के मार्ग को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। ना तो सड़क को दुरुस्त किया गया और ना ही पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूर्ण हुआ।

नल उगल रहे हवा, 200 घरों में कनेक्शन भी अधूरे

योजना के दावों के विपरीत धरातल पर स्थिति बेहद भयावह है। गांव के 400 घरों में से केवल 200 घरों में ही नल के कनेक्शन लगाए गए हैं, जबकि आधे गांव में अब भी पाइपलाइन का इंतजार है। जिन घरों में कनेक्शन लग चुके हैं, वहां भी नलों से पानी की जगह सिर्फ हवा निकल रही है। सरपंच हरीश चंद मरकाम ने बताया कि नलजल योजना अभी तक पंचायत को हैंडओवर नहीं की गई है, जिसके कारण अधूरे कार्यों के लिए ठेकेदार ही पूरी तरह जिम्मेदार है।

नदी की झिरिया का दूषित पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

भीषण गर्मी के इस मौसम में देवहारा के ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। पेयजल की कोई अन्य व्यवस्था न होने के कारण ग्रामीण गांव से दो किलोमीटर दूर स्थित कुकरा नदी जाने को मजबूर हैं। वर्तमान में कुकरा नदी भी पूरी तरह सूख चुकी है, जहां ग्रामीणों ने रेत खोदकर छोटी-छोटी झिरिया बनाई हैं। इन झिरिया में एकत्र होने वाले गंदे और दूषित पानी को ग्रामीण दो किलोमीटर पैदल चलकर अपने घरों तक लाते हैं। पानी के एक जगह ठहरे होने के कारण इसके स्वच्छ होने की कोई गारंटी नहीं है, जिससे गांव में जलजनित बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है।

बिना आपूर्ति के आया 1.31 लाख का बिजली बिल

हैरानी की बात यह है कि नलजल योजना का अभी तक केवल ट्रायल किया गया है, लेकिन विद्युत विभाग ने योजना का एक लाख 31 हजार रुपये का भारी-भरकम बिल पंचायत को थमा दिया है। बिल का भुगतान न होने के कारण विभाग ने नलजल योजना की विद्युत लाइन भी काट दी है। सरपंच और ग्रामीणों का सवाल है कि जब जनता को पानी मिला ही नहीं, तो इतना भारी बिल किस आधार पर दिया गया है।

प्रशासन से ग्रामीणों ने लगाई पेयजल व्यवस्था की गुहार

गांव के जागरूक नागरिक अमन सिंह मरकाम, आशा राम मरकाम, दीपक सिंह कुड़ाली समेत बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि इस बंद पड़ी नलजल योजना की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पेयजल की सुचारू व्यवस्था नहीं की गई और क्षतिग्रस्त मार्ग को ठीक नहीं कराया गया, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। फिलहाल देवहारा के ग्रामीण इस आधुनिक युग में भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जो प्रशासन के हर घर जल के दावों पर गंभीर सवालिया निशान खड़ा करता है।

कुप्रबंधन के खिलाफ वन्यजीव प्रेमियों ने खोला मोर्चा

14 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रबंधन के खिलाफ फूटा आक्रोश

कान्हा। कान्हा नेशनल पार्क क्षेत्र में व्याप्त कथित अव्यवस्थाओं और प्रबंधन की कार्यप्रणाली के विरोध में मीडिया कर्मियों व वन्य जीव प्रेमियों ने मंगलवार से कलेक्ट्रेट मार्ग पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इस आंदोलन को स्थानीय जन प्रतिनिधियों और समाजसेवियों का भी व्यापक समर्थन मिल रहा है। मंगल सिंह ठाकुर के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के समक्ष 14 बिंदुओं का मांग पत्र रखा है, जिनमें कान्हा के संरक्षण और पारदर्शिता से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। मांग की गई है कि बीते पांच वर्षों के बजट और प्रचार-प्रसार पर हुए खर्च का ब्यौरा सार्वजनिक किया जाए और पत्रकारों व अधिकारियों का एक साझा व्हाट्सएप समूह बनाया जाए। पार्क के भीतर हुए अवैध निर्माणों को हटाने और मुख्य गेट के आसपास के अतिक्रमण को समाप्त करने की मांग की गई है। कान्हा को मांसाहार मुक्त रखने के साथ रिसॉर्ट्स में डीजे, आतिशबाजी और भव्य शादी समारोहों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। कान्हा प्रबंधन के वर्तमान पूरे स्टाफ को बदलने और गलत जानकारी देने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई गई है। प्लास्टिक डिस्पोजल पर पूर्ण प्रतिबंध, वन्य जीवों में संक्रमण रोकने के लिए बाहरी एनजीओ के प्रवेश पर रोक और प्रतिदिन दिखाई देने वाले वन्य जीवों की जानकारी सार्वजनिक करने पर जोर दिया गया है।

जांच के घेरे में निर्माण कार्य

धरना दे रहे लोगों ने पार्क के अंदर बनाई गई सड़कों, पुल-पुलियों और पानी की व्यवस्थाओं में हुए खर्च की जानकारी को भी सार्वजनिक करने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि प्रबंधन की कार्यप्रणाली वन्य जीवों और पार्क की मर्यादा के अनुकूल नहीं है। प्रशासन से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर समस्याओं के समाधान की अपील की गई है।

देवरी कला में बरगी क्रूज हादसे के मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि

दो मिनट का मौन रख मृतात्माओं की शांति के लिए की प्रार्थना

बबलिया। निवास विधानसभा के ग्राम देवरी कला बबलिया में आयोजित समारोह के दौरान एक अत्यंत भावुक क्षण देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत में बरगी बांध जलाशय में हुई हालिया क्रूज दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया गया।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने बरगी बांध जलाशय में हुई उस आकस्मिक दुर्घटना का उल्लेख किया, जिसमें 13 व्यक्तियों की असामयिक मृत्यु हो गई थी। इस हृदयविदारक घटना पर गहरा दु:ख प्रकट करते हुए सभा में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामवासियों ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

मौन रहकर दी गई श्रद्धांजलि

शोक की इस घड़ी में सांसद श्री कुलस्ते के नेतृत्व में उपस्थित जनसमूह ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सभी ने अपने स्थान पर खड़े होकर 2 मिनट का मौन धारण किया और ओम शांति के उच्चारण के साथ ईश्वर से उन मृतात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। इस गरिमामय और सादगीपूर्ण शोक संवेदना कार्यक्रम के बाद ही लोकार्पण की औपचारिक प्रक्रिया शुरू की गई। कार्यक्रम में स्थानीय सरपंच, पंच, भाजपा मंडल के पदाधिकारी और भारी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मवई में झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना

भीषण गर्मी से मिली राहत, चोक नालियों ने बढ़ाई मुसीबत

मवई। मवई क्षेत्र में करीब एक घंटे तक हुई तेज बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया है। जहां एक ओर इस झमाझम बारिश ने भीषण गर्मी की मार झेल रहे लोगों को बड़ी राहत दी है, वहीं दूसरी ओर नगर की चरमराई ड्रेनेज व्यवस्था की पोल भी खोल कर रख दी है। बारिश शुरू होते ही शहर की चोक नालियों का गंदा पानी सड़कों पर उफन आया। नालियां साफ न होने के कारण महीनों से जमा गंदगी सड़कों पर फैल गई, जिससे चारों ओर बदबू का आलम रहा। एक ओर लोग बारिश से मिली ठंडक का लुत्फ उठाते नजर आए, तो दूसरी ओर जलभराव और गंदगी ने आमजन का पैदल चलना दूभर कर दिया।

व्यापारियों की बढ़ी मुश्किलें

अचानक हुई इस बारिश ने स्थानीय व्यापारियों के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। सड़क निर्माण कार्य के चलते व्यापारियों ने पहले ही अपने टीन शेड्स हटा दिए थे, जिसके कारण बारिश का पानी सीधे दुकानों तक पहुँचने लगा। दुकानदार अपने सामान को भीगने से बचाने के लिए भारी मशक्कत करते और सामान को सुरक्षित स्थानों पर रखते नजर आए।

प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग

क्षेत्र के ग्रामीणों और व्यापारियों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मांग की है कि अधूरे पड़े सड़क निर्माण कार्य को शीघ्रता से शुरू कर पूर्ण किया जाए। मानसून से पहले सभी नालियों की गहन सफाई सुनिश्चित की जाए जिससे भविष्य में जलभराव की स्थिति निर्मित न हो। नगरवासियों का कहना है कि यदि समय रहते ड्रेनेज सिस्टम और सड़क सुधार पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले बरसात के दिनों में समस्याएं और भी विकराल हो सकती हैं।

नारायणगंज पोस्ट ऑफिस में सुविधाओं का अकाल

अनदेखी और बदहाली का मंजर, भीषण गर्मी में प्यास बुझाने को तरस रहे उपभोक्ता

नारायणगंज। भीषण गर्मी और तपती धूप के इस दौर में जहाँ सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल और छाया की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए, वहीं नारायणगंज स्थित पोस्ट ऑफिस अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। क्षेत्र के इस महत्वपूर्ण सार्वजनिक केंद्र पर मूलभूत सुविधाओं का अभाव होने के कारण उपभोक्ताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बताया गया कि पोस्ट ऑफिस परिसर में आने वाले उपभोक्ताओं, जिनमें बुजुर्ग और महिलाएं भी शामिल हैं, उन्हें अपनी बारी का इंतजार करने के लिए कड़ी धूप में खड़ा रहना पड़ता है। परिसर में न तो पीने के लिए स्थायी जल की व्यवस्था है और न ही बैठने के लिए कोई छायादार स्थान। मौके पर देखा गया कि कई लोग घर से पानी की बोतल लेकर आ रहे हैं, जबकि अन्य प्यास बुझाने के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं।

देवरी कला और बबलिया को मिली सौगात

सांसद और विधायक ने किया नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण

बबलिया। क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए स्थानीय देवरी कला और बबलिया में आंगनबाड़ी एवं सामुदायिक भवन का भव्य लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री व सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और निवास विधायक चैन सिंह वरकड़े उपस्थित रहे। क्षेत्रीय जनता की सुविधा हेतु नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया गया। इस सामुदायिक भवन का निर्माण 25 लाख की लागत से किया गया है। इसके साथ ही बच्चों और महिलाओं की सुविधा के लिए 11 लाख 22 हजार की लागत से इस भवन को तैयार किया गया है।

सांसद ने की विकास की बड़ी घोषणाएं

सभा को संबोधित करते हुए सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने ग्रामवासियों की मांग पर क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। जिसमें बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग 100 सीटर छात्रावास का निर्माण कराया जाएगा। कन्या हाई स्कूल में अतिरिक्त कक्ष और प्रयोगशाला भवन भी बनाए जाएंगे। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन कर इसे 30 बिस्तर वाले अस्पताल में बदला जाएगा। साथ ही पशु औषधालय भवन का निर्माण भी होगा। महिला संगठन भवन के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। स्थानीय तालाब और पंचायत के अन्य विकास प्रस्तावों पर भी उन्होंने कार्य करने का वचन दिया। सांसद ने जोर देकर कहा कि सरकारी भवनों और सड़कों के निर्माण में ग्राम सभा और ग्राम पंचायत को निगरानी रखनी चाहिए जिससे गुणवत्ता बनी रहे।

विधायक ने गुणवत्ता पर जताई चिंता

विधायक चैन सिंह वरकड़े ने अपने उद्बोधन में सरकार की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुँचाने की बात कही। साथ ही उन्होंने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि लापरवाही के कारण निर्माण कार्यों में अनियमितताएं और गुणवत्ता की कमी देखी जा रही है, जिस पर प्रशासन को ध्यान देने की सख्त जरूरत है।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष आशाराम भारतीया, जनपद उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा, पूर्व विधायक रामप्यारे कुलस्ते, डॉ. विजय सरवटे, भाजपा जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा संजीत पांडे, मंडल अध्यक्ष संदेश जायसवाल, सरपंच देवचरण पद्दाम, उप सरपंच संजय सोनी सहित भारी संख्या में ग्रामीणजन और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। पूर्व विधायक रामप्यारे कुलस्ते और डॉ. विजय सरवटे ने भी सभा को संबोधित करते हुए क्षेत्र में हुए विकास कार्यों पर प्रकाश डाला।

वारदात

जादू-टोना के शक में हत्या, नहर में धक्का देकर की गई थी हत्या, पत्थर और मोटर साइकिल सहित आरोपी गिरफ्तार

बिछिया पुलिस ने अंधे हत्याकांड का किया खुलासा

भुआबिछिया। मंडला पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बिछिया पुलिस को एक अंधे हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने महज कुछ ही दिनों के भीतर हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है।

बताया गया कि घटना का खुलासा तब हुआ जब 01 मई को ग्राम फोक हलोन नहर कोसाबारी के पास में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। थाना बिछिया पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम किया और जांच शुरू की। शिनाख्त के दौरान मृतक की पहचान 50 वर्षीय संतु उईके, निवासी ग्राम कुडैला के रूप में हुई।

जादू-टोना के संदेह में कर दी थी हत्या

पुलिस विवेचना और जांच के दौरान यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि यह सामान्य मौत नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या थी। विगत 30 अप्रैल की रात करीब 01 बजे आरोपी मृतक को अपनी मोटरसाइकिल पर बिठाकर हलोन नहर के पास ले गया। वहां जादू-टोना के संदेह को लेकर आरोपी ने मृतक पर पत्थर से जानलेवा हमला किया और बाद में उसे नहर में धक्का दे दिया, जिससे डूबने से उसकी मौत हो गई।

पुलिस टीम का सराहनीय योगदान

इस अंधे हत्याकांड का पर्दाफाश करने में थाना प्रभारी बिछिया निरीक्षक रंजीत सिंह सैयाम, उप निरीक्षक प्रवीण मालवीय, सहायक उपनिरीक्षक सुरेश विजयवार, प्रधान आरक्षक अनिल मर्सकोले, आरक्षक अमृत मेरावी, सुनीराम मरावी और गजरूप उद्दे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

आरोपी के कब्जे से बारदात में प्रयुक्त सामान बरामद

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के मामले में भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण दर्ज किया। 4 मई को आरोपी सखरु उईके 47 वर्ष, निवासी ग्राम कुडैला नया टोला को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बारदात में प्रयुक्त सामान बरामद किया है। जिसमें घटना में प्रयुक्त भारी पत्थर, मृतक को ले जाने में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद किया है।

छिवला टोला में गहराया जल संकट

नल-जल योजना अधूरी, ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

घुघरी। जनपद पंचायत घुघरी के ग्राम पंचायत छिवला टोला में पेयजल की समस्या ने विकराल रूप ले लिया है. भीषण गर्मी के बीच ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं. इसी समस्या के निराकरण के लिए मंगलवार को सरपंच दुर्गा प्रसाद धुमकेती के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को आवेदन सौंपा और तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। सरपंच और ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में नल-जल योजना का कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा है. गांव के कई मोहल्लों और मुख्य स्थानों पर अब तक पाइपलाइन बिछाई ही नहीं गई है। जहां पाइपलाइन का कार्य हुआ भी है, वहां भी व्यवस्थाएं मानक के अनुरूप नहीं हैं, जिससे जलापूर्ति संभव नहीं हो पा रही है।

कटी बिजली ने बढ़ाई मुसीबत

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पानी की टंकी निर्मित है और उस पर मोटर भी स्थापित की गई है, लेकिन बिजली विभाग द्वारा कनेक्शन काट दिए जाने के कारण पूरी जलापूर्ति ठप पड़ी है। स्थिति इतनी गंभीर है कि ग्रामीणों को दैनिक कार्यों और खाने-पीने तक के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है.

ग्रामीणों ने की जल्द सुधार की मांग

कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन में ग्रामीणों ने मांग की है कि विद्युत विभाग को निर्देशित कर जल्द से जल्द बिजली कनेक्शन बहाल कराया जाए। अधूरे पड़े पाइपलाइन के कार्य को युद्धस्तर पर पूर्ण कराया जाए जिससे नल-जल योजना का वास्तविक लाभ जनता को मिल सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी प्यास बुझाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।